Dr. RANJEET KUMAR

Dept. of History

H.D.Jain College, Ara.

B. A., Semester-4, Unit-5, (MJC-4)

फ्रांसीसी क्रांति के कारणों, चरणों और प्रभाव:-

फ्रांसीसी क्रांति (1789) आधुनिक विश्व इतिहास की सबसे प्रभावशाली घटनाओं में से एक है। इसने 'स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व' (Liberty, Equality, Fraternity) के नारों के साथ सदियों पुरानी निरंकुश राजशाही और सामंती व्यवस्था को जड़ से उखाड़ फेंका।

1. क्रांति के प्रमुख कारण **(Causes)**

फ्रांसीसी क्रांति किसी एक कारण का परिणाम नहीं थी, बल्कि यह लंबे समय से संचित असंतोष का विस्फोट था:

A. राजनीतिक कारण

- निरंकुश राजतंत्र: फ्रांस में लुई XVI (Louis XVI) का शासन था, जो 'राजाओं के दैवीय अधिकार' में विश्वास करता था। वह एक अयोग्य और कमजोर शासक था, जो अपनी पत्नी मेरी एंटोनेट के प्रभाव में रहता था।
- भ्रष्ट प्रशासन: सरकारी पद बेचे जाते थे और प्रशासन पूरी तरह से केंद्रीकृत और अक्षम था।

B. सामाजिक कारण (वर्ग विभाजन)

फ्रांसीसी समाज तीन श्रेणियों (Estates) में बँटा हुआ था:

- प्रथम एस्टेट (पादरी वर्ग): इन्हें विशेष अधिकार प्राप्त थे और ये कर (Tax) नहीं देते थे।
- द्वितीय एस्टेट (कुलीन वर्ग): शासन और सेना के ऊंचे पदों पर इनका कब्जा था। ये भी करों से मुक्त थे।
- तृतीय एस्टेट (जनसाधारण): इसमें किसान, मजदूर, व्यापारी और बुद्धिजीवी शामिल थे। देश की 98% जनसंख्या इसी वर्ग में थी, लेकिन सारा कर (जैसे Taille) इसी वर्ग को देना पड़ता था।

C. आर्थिक कारण

- फ्रांस लगातार युद्धों (जैसे अमेरिकी स्वतंत्रता संग्राम में सहायता) के कारण भारी कर्ज में डूबा था।
- 1788-89 में फसल बर्बाद होने के कारण अकाल पड़ा और रोटी की कीमतें आसमान छूने लगीं, जिससे जनता भूखी मरने लगी।

D. बौद्धिक कारण (दार्शनिकों की भूमिका)

रूसो, वॉल्टेयर और मोंटेस्क्यू जैसे विचारकों ने जनता को जागरूक किया।

- रूसो ने 'जनता की इच्छा' (General Will) का सिद्धांत दिया।
- मोंटेस्क्यू ने 'शक्तियों के पृथक्करण' (Separation of Powers) की बात की।

2. क्रांति के प्रमुख चरण **(Phases)**

फ्रांसीसी क्रांति कई चरणों से होकर गुजरी:

प्रथम चरण: संवैधानिक राजतंत्र (1789–1792)

- एस्टेट्स जनरल की बैठक: करों के मुद्दे पर 5 मई 1789 को बैठक बुलाई गई।
- टेनिस कोर्ट की शपथ: तृतीय एस्टेट ने खुद को 'नेशनल असेंबली' घोषित कर दिया।
- बास्तील का पतन (14 जुलाई 1789): पेरिस की भीड़ ने बास्तील के किले (राजशाही का प्रतीक) को तोड़ दिया। यह क्रांति की शुरुआत थी।

- मानवाधिकारों की घोषणा: असेंबली ने 'Declaration of the Rights of Man and of the Citizen' को अपनाया।

द्वितीय चरण: उग्र गणतंत्र और आतंक का राज (1792–1794)
- राजशाही को समाप्त कर फ्रांस को गणतंत्र घोषित किया गया।
- लुई XVI को 1793 में गिलोयटीन (Guillotine) पर चढ़ाकर फांसी दे दी गई।
- रोबेस्पियर के नेतृत्व में 'आतंक का राज' (Reign of Terror) शुरू हुआ, जिसमें हजारों 'क्रांति के विरोधियों' को मार दिया गया।

तृतीय चरण: डायरेक्टरी का शासन (1795–1799)
- रोबेस्पियर के पतन के बाद, एक नया संविधान बना और सत्ता पांच सदस्यों वाली 'डायरेक्टरी' के हाथ में आई। यह शासन अस्थिर और भ्रष्ट साबित हुआ।
- चतुर्थ चरण: नेपोलियन का उदय (1799–1815)
- डायरेक्टरी की अस्थिरता का लाभ उठाकर नेपोलियन बोनापार्ट ने 1799 में सत्ता पर कब्जा कर लिया और अंततः खुद को फ्रांस का सम्राट घोषित किया।

3. क्रांति का प्रभाव **(Impact)**

a) फ्रांस पर प्रभाव
- राजशाही का अंत: सदियों पुरानी बोरबॉन वंशावली का अंत हुआ।
- सामंतवाद की समाप्ति: किसानों को सामंती करों और गुलामी से मुक्ति मिली।
- धर्मनिरपेक्ष राज्य: चर्च की संपत्ति जब्त कर ली गई और धर्म को राज्य से अलग करने की प्रक्रिया शुरू हुई।

b. यूरोप और विश्व पर प्रभाव
- लोकतांत्रिक मूल्यों का प्रसार: दुनिया को 'स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व' के आधुनिक मूल्य मिले।
- राष्ट्रवाद का उदय: इस क्रांति ने राष्ट्रवाद (Nationalism) की भावना को जन्म दिया, जिससे आगे चलकर जर्मनी और इटली का एकीकरण हुआ।
- नेपोलियन कोड: नेपोलियन द्वारा लागू किए गए नागरिक कानून (Civil Code) आज भी कई देशों की कानूनी व्यवस्था का आधार हैं।

तुलनात्मक सारांश (गौरवपूर्ण क्रांति बनाम फ्रांसीसी क्रांति)
प्रकृति :- रक्तहीन और शांतिपूर्ण ,अत्यंत हिंसक और उथल-पुथल भरी

मुख्य लक्ष्य:- राजा की शक्तियों को सीमित करना, राजशाही का पूर्ण अंत और सामाजिक परिवर्तन

परिणाम:- संवैधानिक राजतंत्र की स्थापना , गणतंत्र और बाद में नेपोलियन का उदय

फ्रांसीसी क्रांति ने यह सिद्ध कर दिया कि यदि जनता ठान ले, तो वह सबसे शक्तिशाली निरंकुश शासन को भी उखाड़ फेंक सकती है। इसने आधुनिक लोकतंत्र के मार्ग को प्रशस्त किया।